भजन

चली राजस्यामा की सवारी रे,
जब हुआ सांयकाल, पिया बैठे सुखपाल
शोभा धामधनी की देखें सारी रे

1–उठे नीले पीले मन्दिरों से पिया,सब सखियों ने दर्शन किया
कोई फूल नूर बाग, कोई श्री पुखराज
कोई सखी आई दसमी आकाशी रे

2–मनवेगी सुखपालों में विराजे, राजस्यामा बीच रूहों के साजे
पसु पंखी अपार, खूब खुसाली बेसुमार
कहे पिया पिया तू ही धनी धनी रे

3–राजस्यामा और साथ प्यारे, सब पाट के घाट पधारे
करें झीलना सिनगार, आरोगे कर प्यार
अंग अंग आनंद उलासी रे

4–शोभा नूर भरी देख के सारी, आई धाम की तरफ सवारी
सुखपाल छठी भोम, पसु पंखी बड़ोवन
गई बंगलों में खूब खुशाली रे

5– लेके रूहों को आए पिया जी, जहां मन्दिर रंगपरवाली
नूर भरी सुख सेज, धनी देवें कर हेत
यहां शयन करे प्यारो प्यारी रे